



GLOBAL MANIFESTO ON **FORGOTTEN FOODS**

भूले हुए खाद्य पदार्थों पर
वैश्विक घोषणापत्र



GLOBAL MANIFESTO ON FORGOTTEN FOODS

By: The Association of Agricultural Research Institutions in the Near East and North Africa (AARINENA); The Asia-Pacific Association of Agricultural Research Institutions (APAARI; Crops For the Future (CFF); The Forum for Agricultural Research in Africa (FARA); The Global Forum for Agricultural Research and Innovation (GFAR); and The Alliance of Bioversity International and CIAT

8 July 2021



Alliance



Funded by European Union

This document has been produced with the financial assistance of the European Union. The views expressed herein can in no way be taken to reflect the official opinion of the European Union.

BACKGROUND

This Manifesto on Forgotten Foods¹ is the result of a broad and intensive consultation process carried out in Africa, Asia-Pacific, Europe and the Middle East (see Annex 1 for the roadmap). It was facilitated by GFAR as part of its Collective Actions to Empower Farmers at the Center of Innovation; led by a coalition of Regional Research Organizations and their partners, in particular, AARINENA, APAARI, FARA; and supported by CFF, and the Alliance of Bioversity International and CIAT. In this process, thousands of actors from many countries took part in research activities, data analysis, presentations and discussions, deliberations and debates, and in the drafting of three regional manifestos on forgotten foods (see Annex 2 for the numbers of participants and Annex 3 for the names of organizations involved); eventually resulting in this concise and synthetic document based on consensus. Actors included members of farmer organizations, civil society and community-based organizations, women and youth organizations, research, extension and development organizations, private sector entities, and government agencies. The scale and scope of this initiative are unprecedented and represent a big step forward on the global forgotten foods agenda.

The content of this Manifesto is a landmark by presenting a coherent, multi-faceted but systemic, collective action-oriented proposal that covers research and innovation, and development (policy). The Manifesto aims to serve as a guide for the present and the future of forgotten foods. Its proponents call for a transformation of the agricultural research and innovation system through: change in research methodologies/paradigm; professional change; changes in the governance/organization of development, research and innovation; changes in institutions; and changes in training/capacity building approaches and curricula. The Manifesto places smallholder farmers center stage, as producers and custodians of forgotten foods and related knowledge, agents of change and co-producers of (new) knowledge and practices. The Manifesto calls for concrete actions that contribute to achieve several of the Sustainable Development Goals of the United Nations, and to the 'Right to Food' and the 'Right to Health' embedded in the Universal Declaration of Human Rights. It is also meant to be an invaluable input for the United Nations Food Systems Summit later in 2021.

प्रस्तावना

भूलेहुए खाद्यपदार्थों या खाद्यफसलों (फॉरगॉटन फूड्स) पर यह घोषणापत्र अफ्रीका, एशिया-पैसिफिक, यूरोप और मिडिलईस्ट में किए गए एक व्यापक और गहन परामर्श प्रक्रिया का परिणाम है (रोड मैप के लिए अनुबंध 1 देखें)। यह घोषणापत्र उई के किसानों को ससक्त बनाने के लिए उनके सांस्कृतिक कार्यवाहियों के अंतर्गत, सेक्टर ऑफ़ इनोवेशन में, क्षेत्रीय अनुसन्धान संगठन और उनके सहयोगी संस्थानों के नेतृत्व में, विशेष रूप से MES AARINENA, APAARI, FARA, के द्वारा समर्थित किया गया और CFF, बायोवर्सिटी इंटरनेशनल एवं CIAT के गठबंधन के द्वारा सहयोग किया गया इस प्रक्रियामें, कई देशों के हजारों प्रतिभागियों ने अनुसंधान गतिविधियों, डेटा विश्लेषण, प्रस्तुतियों और चर्चाओं, विचार विमर्शों और बहसों के द्वारा और भूलेहुए खाद्यपदार्थों के प्रारूपण पर तीन क्षेत्रीय घोषणापत्रों में भाग लिया (प्रतिभागियों की संख्या के लिए अनुबंध 2 और शामिल संगठनों के नाम के लिए अनुबंध 3 देखें) ; जिसके परिणाम स्वरूप, आम सहमति के आधार पर यह संक्षिप्त और सिद्धिपूर्ण घोषणापत्र तैयार किया गया है। किसान संगठनों, नागरिक समाज और समुदाय आधारित संगठनों, महिला और युवा संगठनों, अनुसंधान, विस्तार और विकास संगठनों, निजी क्षेत्र की संस्थाओं और सरकारी एजेंसियों के सदस्य इस श्रम में शामिल थे। इस पहल का पैमाना और दायरा अभूतपूर्व है और वैश्विक भूलेहुए खाद्य एजेंडे पर एक बड़े कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

यह घोषणापत्र एक सुसंगत, बहु आयामी लेकिन व्यवस्थित, सामूहिक कार्यवाई उन्मुख प्रस्ताव है, जिसमें अनुसंधान और नवाचार और विकास (नीति) शामिल है। इस घोषणापत्रका उद्देश्य भूलेहुए खाद्यपदार्थों के वर्तमान और भविष्यकेलिए एक मार्गदर्शक रूप प्रदान करना है। इसके प्रस्तावक कृषि अनुसंधान और नवाचार प्रणाली में अनुसंधान पद्धतियों / प्रतिमान, पेशेवर परिवर्तन, विकास, अनुसंधान और नवाचारके शासन/ संगठन, संस्थानों और प्रशिक्षण/ क्षमता निर्माण दृष्टिकोण और पाठ्यक्रम में परिवर्तन का आह्वान/ आशा करते हैं। घोषणापत्र, लघु किसानों को भूलेहुए खाद्यपदार्थों के निर्माता और उससे संबंधित ज्ञान और संरक्षक के रूप में देखता है। और उन्हें परिवर्तन कारक एवं ज्ञान (नए) और प्रथाओं के सह-उत्पादक मानता है। घोषणापत्र में ठोस कार्यों का आह्वान किया गया है, जो संयुक्तराष्ट्र के कई सतत विकास लक्ष्यों और मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में निहित 'भोजन का अधिकार' और 'स्वास्थ्य का अधिकार' को प्राप्त करने में योगदान कर सकता है। यह घोषणापत्र संयुक्तराष्ट्र खाद्यप्रणाली शिखर सम्मेलन, 2021 के लिए भी एक अमूल्य इनपुट रहेगा।

1. Forgotten food (or food crops) have also been named minor crops, neglected and underutilized species, orphan crops, poor people's crops, and under developed crops, to mention a few.

१. भूलेहुए खाद्यपदार्थों (या खाद्यफसलों) को लघुफसल, उपेक्षित और कम उपभोगवाली प्रजातियां, अनाथ फसलें, गरीब लोगों की फसलें, अविकसित फसलें भी कहा जाता है

ROLES AND IMPORTANCE OF FORGOTTEN FOODS:

Forgotten foods include cultivated, semi-domesticated and wild species and traditional varieties that have been produced and consumed for centuries or even millennia for their food, fiber, fodder, oil, and medicinal properties, but whose roles have been undervalued and their importance neglected by researchers, policy makers and markets. They are key elements of multifunctional, diversified and sustainable agri-food systems. They are nutrient rich and contribute to food and nutrition security, income generation, good health and wellbeing; and are often embedded in cultural and ethnic identities and traditions, which they sustain and by which they are sustained. They can diversify the production of staple foods and thus the intake of more diversified foods. They can generate employment and new income generation. They are well adapted to marginal environments and yield under unfavorable agro-ecological and low input conditions. In the face of climate change, they can play an important role in the diversification and resilience of farming systems. They contain valuable genetic material that can be used for crop improvement and plant breeding. Last, but not least, they can be ingredients of empowerment of rural communities, notably of youth and women, through the development of activities that add social, cultural, environmental and economic value to forgotten foods.

भूलेहुए खाद्यपदार्थों की भूमिका और महत्व

भूलेहुए खाद्यपदार्थों में खेती, अर्ध-पालतू और जंगली प्रजातियां और पारंपरिक ऐसी किस्में शामिल हैं जो सदियों या शायद सहस्राब्दियों से अपने भोजन, फाइबर, चारा, तेल और औषधीयुक्तोंकेलिए उत्पादित और उपभोग की जाती थीं, लेकिन इनकी भूमिकाओं को कम आंका गया है। ऐसी फसलें महत्व शोधकर्ताओं, नीतिनिर्माताओं और बाजारों द्वारा भी उपेक्षित किया गया है। पर वे बहुत क्रियाशील, विविध औषटिकाऊ कृषि-खाद्यप्रणालियों के प्रमुख तत्व हैं। भूलेहुए खाद्यपोषक तत्वोंसे भरपूर हैं और खाद्य और पोषण सुरक्षाआय सृजन, अच्छे स्वास्थ्य और भलाई में योगदान करते हैं ; और अक्सर सांस्कृतिक और संजातीय पहचान और परंपराओं में अंतर्निहित होते हैं, जिन्हें वे बनाए रखते हैं और जिसके द्वारा वे कायम रहते हैं। वे मुख्य खाद्यपदार्थों उत्पादन में विविधता ला सकते हैं, जिससे अधिक विविध खाद्यपदार्थों का सेवन हम कर सकते हैं। यह फसलें खागार और नई आय सृजन बढ़ा सकते हैं। वे प्रतिकूल कृषि-पारिस्थिति की, कम इनपुट सीमांत वातावरण स्थितियों के तहत भी अच्छी फसल उपज के लिए अनुकूलित हैं। जलवायु परिवर्तन की स्थिति में, वे कृषि प्रणालियों के विविधीकरण और मौसम की प्रतिकूलता का सामना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनमें मूल्यवान्मानुवंशिक सामग्री होती है, जिसका उपयोग फसल सुधार और पौधों के प्रजनन के लिए किया जा सकता है। अंतिम में, सबसे महत्वपूर्ण बात है कि यह भूलेहुए खाद्यपदार्थों / फसलें अपने सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और आर्थिक मूल्यसे ग्रामीण समुदायों विशेष रूपसे युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के घटक हो सकते हैं।

Smallholder farming communities -notably smallholders, particularly women, youth and indigenous peoples? are at the heart of the conservation and sustainable use of forgotten

foods. In their own words:

लघु कृषक समुदाय – विशेष रूपसे महिलाएं, युवा और मूल निवासी, भूलेहुए खाद्यपदार्थ के संरक्षण और सतत उपयोग के केंद्रमें हैं। उनके शब्दोंमें :

"We know that many of these crops are nutritious and can readily provide for our families' needs for food, fiber, health, medicine, and sometimes income, as we can sell them in local markets. These crops have grown well in our soil, even in marginal areas, with very little inputs, and they withstand adverse conditions. We also use

“हम जानते हैं कि इनमें से कई फसलें पौष्टिक हैं और हमारे परिवारों की आह्लादाइबर, स्वास्थ्य, दवा, और कभी-कभी आय आसानी से प्रदान कर सकती हैं, क्योंकि हम इन्हें स्थानीय बाजारों में बेच सकते हैं। ये फसलें हमारी मिट्टी में, सीमांत क्षेत्रों में बहुत कम इनपुट में और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति के कारन सफलता से उगाई जा सकती हैं। हम धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से त्योहारों के लिए भी स्वदेशी फसलों का उपयोग करते हैं। हमारे समुदायों,

We have been developing new resource management approaches to better conserve, process and market these crops. Our work is a testament of the role of family farmers as custodians of our country's agrobiodiversity and caretakers of the environment. Our communities are rich repositories of diverse species, wisdom and knowledge."

हम इनफसलों के संरक्षण, प्रसंस्करण और विपणन के लिए नए संसाधन प्रबंधन दृष्टिकोण विकसित करते रहते हैं। हमारा काम हमारे देश की कृषि जैवविविधता के संरक्षक और पर्यावरण की संरक्षक के रूप में, पारिवारिक किसानों की भूमिका का एक महत्वपूर्ण वसीयतनामा है। हमारा समुदाय विविध प्रजातियों और ज्ञान का समृद्ध भंडार है।“

Excerpt of the Asia-Pacific Farmers' Declaration Manifesto on Traditional and Indigenous Food Crops (28 May 2021)

एशिया-पैसिफिक किसानों का 'पारंपरिक और स्वदेशी खाद्यफसलें' घोषणापत्र (28 मई 2021) का एक अंश।

CHALLENGES

Modern agriculture is partly responsible for the crisis the world faces today due to environmental degradation and pollution, the loss of biodiversity, and the emission of Green House Gases. Food and nutrition security globally are constrained by several factors including the heavy reliance on a very few staple crops. One of the reasons for this situation is that modern agriculture has deviated from embracing traditional food systems, which involves cultivation and use of traditional crops. In this context, forgotten foods are crowded out and under increasing pressure to disappear. Factors that play a role include: population growth, expansion of land cultivated with staples (maize, potato, rice, wheat) and cash crops (cacao, coffee, oil palm, soybean), promotion of modern varieties, mechanization and the use of chemical inputs, land degradation, pervasive negative impact of agricultural and trade policies, challenges to establish equitable markets and reaching end users, migration of younger generations to cities, and changing eating preferences and habits (from nutrient rich to energy rich foods). Younger generations are becoming less familiar with them, leading to 'erosion' of agricultural practices and related knowledge. In some places, forgotten foods are perceived negatively, which hinders both production and consumption. The lack of detailed information about the qualities of forgotten foods has hampered their production, processing and marketing. Because of all these factors, over time, their cultivation and consumption have decreased, although they remain an essential part of daily eating habits for many poor rural communities in many countries around the world.

चुनौतियों

पर्यावरण के क्षरण और प्रदूषण, जैवविविधता के नुकसान और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन जैसे संकट का सामना आज दुनिया कर रही है, उसके लिए आधुनिक कृषि आंशिक रूप से जिम्मेदार है। विश्व स्तर पर खाद्य और पोषण सुरक्षा कई कारकों से बाधित है, जिसमें गिने चुने मुख्य फसलों पर अत्यधिक निर्भरता एक मुख्य कारण है। इस स्थिति का एक और कारण आधुनिक कृषि का पारंपरिक खाद्य प्रणालियों के अपनाने से विचलित होना है, जिसमें पारंपरिक फसलों की खेती और उपयोग शामिल है। इन परिस्थितियों में, भूले हुए खाद्य पदार्थ अन्य लोकप्रिय खाद्य फसलों की उपस्थिति का सामना करने में सक्षम नहीं हो पाते हैं और धीरे-धीरे गायब हो जाते हैं। इसके मुख्य कारक : जनसंख्या वृद्धि, मुख्य फसलें (मक्का, आलू, चावल, गेहूं) और नकदी फसलों (कोको, कॉफी, पामतेल, सोयाबीन) की खेती में विस्तार, आधुनिक किस्मों को बढ़ावा देना, मशीनकरण और रसायनों का उपयोग, भूमि क्षरण, कृषि और व्यापार नीतियों का नकारात्मक प्रभाव, न्यायसंगत बाजार स्थापित करने में और अंतिम उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाने की चुनौतियाँ, युवा पीढ़ियों का शहरों में प्रवास, और आहार और आदतों में बदलाव (पोषक तत्वों से ऊर्जा युक्त खाद्य पदार्थों) शामिल हैं। युवा पीढ़ी भूले हुए खाद्य फसलों की कृषि प्रणालियों और संबंधित ज्ञान से कम परिचित हो रही है। कई जगहों पर, भूले हुए खाद्य पदार्थों को नकारात्मक माना जाता है, जो उत्पादन और खपत दोनों के लिए बाधा डालते हैं। भूले हुए खाद्य पदार्थों के गुणों के बारे में विस्तृत जानकारी की कमी होने से उसके उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन में कठिनाई आती है। इन कारणों और समय के साथ, उनकी खेती और खपत में कमी आई है, हालांकि भूले हुए खाद्य विश्व के कई देशों में कई गरीब ग्रामीण समुदायों के लिए दैनिक आहार का प्रधान और अनिवार्य हिस्सा हैं।

In parallel to these trends, forgotten foods have been largely neglected and severely underfunded in terms of research and innovation, extension, conservation and commercialization. The farming expertise and key roles of small holders have hardly been acknowledged, respected, rewarded nor integrated (in research, extension and education). Forgotten foods have not been studied in detail and inventories and characterizations are incomplete. They are not part of agricultural extension programs and not included in education. Their seeds and seedlings cannot or hardly be found in national and international gene banks. Marketing and the development of new value chains have received little attention and no incentives; they do not appear in recipes nor are new recipes developed. In many countries, forgotten foods can be purchased in fresh markets, but not in supermarkets. Seed supply systems are underdeveloped and little crop improvement has been done on forgotten foods. Agricultural and related policies do not support and sometimes negatively impact on forgotten foods.

इन प्रवृत्तियों के साथ, भूलेहुए खाद्यपदार्थों को अनुसंधान और नवाचार, विस्तार संरक्षण और व्यावसायीकरण का फीहद तक उपेक्षित रहा है। छोटे किसानों की कृषि विशेषज्ञता और प्रमुख भूमिकाएं को नज़ायदा स्वीकार या सम्मानित या पुरस्कृत किया गया है और नहीं उनके ज्ञानको अनुसंधान, विस्तार शिक्षा में एकीकृत किया गया है। भूलेहुए खाद्यपदार्थों का विस्तारसे अध्ययन नहीं किया गया है और नहीं उसकी सीमा और लक्षण वर्णनपूर्ण हैं। वे कृषि विस्तार कार्यक्रमों का हिस्सा नहीं होते हैं और नहीं बड़े पैमानों में कृषि क्षेत्र में शामिल होते हैं। इन फसलों की बीज

और अंकुर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जीन बैंकों में या तो नहीं पाए जाते हैं या मुश्किल से ही मिल सकते हैं। विपणन और नई मूल्य श्रृंखलाओं के विकास पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है और ज्यादा वेद प्रोत्साहन भी नहीं दिया जाता है ; ऐसे खाद्य व्यंजनों में अधिकतर आते हैं और नही उनमेसे नए व्यंजन विकसित किए जाते हैं। कई देशों में, भूले हुए खाद्यपदार्थ सुपरमार्केट में नहीं बल्कि साधारण बाजारों में ही खरीदे जा सकते हैं। भूले हुए खाद्यपदार्थों की बीज आपूर्ति प्रणाली अविकसित है और उनपर बहुत कम फसल सुधार किया गया है। कृषि से संबंधित नीतियां भूले हुए खाद्यपदार्थों का समर्थन नहीं करती हैं और कभी-कभी नकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

A call for collective action

To respond forcefully to these challenges requires powerful collective action in policy, development, research and innovation at national, regional and global levels. We call for immediate transformative action to turn forgotten foods into respected, valued and supported ingredients of healthy diets, sustainable livelihoods and resilient seed and food systems. This is urgently needed to mitigate the danger of food shortage and nutritional insecurity, aggravated by climate change, COVID 19, conflicts, increased desertification, etc.

We request that smallholder farmers and their communities be recognized, respected and supported as forgotten foods custodians of knowledge and good practice; as agents of change; and as partners in collective action.

सामूहिक कार्रवाई का अभियान

इन चुनौतियों का मजबूती से मुकाबला करने के लिए राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर नीति, विकास, अनुसंधान और नवाचार में शक्तिशाली सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता है।

हम भूलेहुए खाद्यपदार्थों को सम्मानित, मूल्यवान और स्वस्थ आहार, स्थायी आजीविका और समुत्थानशील बीज की खाद्यप्रणाली में बदलाव के लिए तत्काल परिवर्तनकारी कार्रवाई का आह्वान करते हैं। आहार की कमी और पोषण संबंधी असुरक्षा के काल में इसकी तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन, कोविड 19, देशों के बीच संघर्ष, मरुस्थलीकरण आदिके कारण इनकी महत्वपूर्णता और बढ़ जाती है।

हम अनुरोध करते हैं कि छोटे और सीमान्त किसानों को और उनके समुदायों को पहचाना जाए और उनका सम्मान किया जाए अथवा उन्हें भूलेहुए खाद्यपदार्थों के ज्ञान और श्रेष्ठ कार्य पद्धतियों के संरक्षक, परिवर्तन के एक प्रतिनिधि और सामूहिक कार्रवाई का भागीदार माना जायें।

We demand major development and research investments in forgotten crops that are resilient and well adapted to a wider range of environments and cropping systems.

भूलीहुई खाद्यफसल समुत्थानशील है और ये कई प्रकार के वातावरण और सस्याप्रणाली में अच्छी तरह से उग सकते हैं, और ऐसे फसलों की बढ़ती के लिए, उनके उन्नति और अनुसंधान के लिए बड़े पैमाने पर निधि आवश्यक है।

We demand policy and economic support to promote economic development through the formation of farmer-based small and medium enterprises as a way to diversify income sources and reduce poverty levels in farming communities.

किसान आधारित लघु और मध्यम उद्यमों के गठन के माध्यम से आय में विविधता लाकर कृषक समुदायों की गरीबी हटाने के लिए हम नीति और आर्थिक समर्थन के द्वारा अधिक आर्थिक विकास की मांग करते हैं।

We promote gender transformative approaches for equity and transformation of power dynamics and structures to overcome social, cultural and other forms of inequality in the management of forgotten foods.

हम भूले हुए खाद्य पदार्थों के प्रबंधन में लिंग परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के तहत असमानता और सत्ता के परिवर्तन के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और असमानता के अन्यायों को दूर करने का दावा करते हैं।

We propose that, to bring about system transformation and major modifications in the agricultural research and innovation approaches, a portfolio of targeted interventions is needed which bring farmer communities at the center stage of development, research and innovation as co-producers of (new) knowledge.

हम प्रस्तावक करते हैं कि कृषि अनुसंधान और नवाचार दृष्टिकोण में प्रणाली परिवर्तन और मुख्य संशोधन लाने के लिए, लक्षित हस्तक्षेपों की आवश्यकता है जो किसान समुदायों को एक ज्ञात और प्रथाओं के सह-निर्माता (नए) के रूप में विकास, अनुसंधान और नवाचार के केंद्र में रखें।

These interventions -goodfor farmers and their communities, good for consumers, and good for the planet? are:

ये हस्तक्षेप-किसानों और उनके समुदायों, उपभोक्ताओं और भूमण्डल के लिए अच्छे हैं :

For immediate action

तत्काल कार्रवाई के लिए

1. Launch an effective and comprehensive awareness raising campaign backed up by a sound knowledge management system to ensure that all in society recognize and value forgotten foods for their nutritional, health, medicinal, cultural and environmental benefits. The exchange of information and knowledge can turn the often negative perceptions of forgotten foods into positive

१. एक प्रभावी और व्यापक जागरूकता अभियान शुरू करें जो एक कृषि प्रबंधन प्रणाली के तहत हो और यह सुनिश्चित करें कि समाज में सभी लोग भूल गए खाद्य को पहचानें और उनके पोषण, स्वास्थ्य, औषधीय, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय लाभों का महत्व समझें। सूचना और ज्ञान का आदान-प्रदान भूल गए खाद्य पदार्थों के अक्सर जाने गए नकारात्मक धारणाओं को सकारात्मक रूप में बदल सकते हैं।

2. Compile comprehensive inventories, detailed characterizations and assessments of the conservation status of forgotten foods in all regions of the world at country level and prioritize forgotten crops for immediate action based on agreed upon criteria and the active participation of farmers. Develop and use

२. विश्व के सभी क्षेत्रों में देश स्तर पर भूले हुए खाद्य पदार्थों की व्यापक सूची, विस्तारपूर्ण वर्णन और संरक्षण की स्थिति के आकलन विवरण संकलित करके, किसानों की भागीदारी से भूलभुलैया फसलों पर प्राथमिकता के आधार पर तत्काल कार्रवाई करें। एक नए मीट्रिक और संकेतक की रचना की जाए जो भूले हुए खाद्य पदार्थों के पोषण और औषधीय मूल्यों, जलवायु समुत्थान शक्तिसंपन्न, सांस्कृतिक समृद्धि और स्थी आजीविका के आधार पर मूल्यों की परिभाषा बताये।

3. Establish South-South and South-North research networks and platforms for generating and sharing knowledge and technologies on forgotten foods, using transdisciplinary and participatory approaches, integrating community and scientific knowledge, and combining farmers' practices with new research and innovative technologies (e.g. agronomic techniques, molecular genetics, nutritional profiling, and digital tools). Research evidence can be used to promote and popularize forgotten foods.

३. भूले हुए खाद्य पदार्थों पर ज्ञान और प्रौद्योगिकी कियों को साझा करने के लिए दक्षिण-दक्षिण और दक्षिण-उत्तर अनुसंधान नेटवर्क और प्लेटफॉर्म स्थापित करके बहु विषय और सहभागी दृष्टिों द्वारा समुदाय और वैज्ञानिक ज्ञान को एकीकृत करके किसानों की प्रथाओं को नए अनुसंधान और नवीन तकनीकों के साथ संयोजन करें (उदाहरण कृषि विज्ञान तकनीक, आणविक आनुवंशिकी, पोषण संबंधी रूपरेखा और डिजिटल उपकरण)। अनुसंधान परिणाम भूले हुए खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकते हैं।

4. Target capacity development/strengthening activities for all stakeholders to enable collective development of research and innovation agendas, and the co-creation of new knowledge and skills. This calls for blending both technical and organizational capacities, and developing soft skills enabling stakeholders along the value chain to interact fruitfully.

४. सभी हितधारकों की क्षमता विकास/ गतिविधियों की मजबूती के लिए, नुसंधान और नवाचार एजेंडा का सामूहिक विकास द्वारा नए ज्ञान और कौशल का सह-निर्माण करें। इसके लिए तकनीकी और संगठनात्मक क्षमता दोनों को सम्मिश्रण करने और सॉफ्ट स्किल्स विकसित करने की आवश्यकता है जो मूल्य श्रृंखला के साथ हितधारकों को बातचीत करने में उन्हें सक्षम बना सकते हैं।

For medium- and long-term action

मध्यम और दीर्घ कालिक कार्रवाई के लिए

5. Collaborate with farmers and their organizations in developing solutions to challenges related to quality seed(ling) production, cultivation, processing, packaging and marketing of traditional forgotten food species and varieties. Conduct farm, field and marketing experiments, forgotten food systems and policy research in a participatory and gender sensitive manner, with full participation of smallholder farmers and their organizations.

५. पारंपरिक भूलीहुई खाद्य प्रजातियां और किस्में से संबंधित चुनौतियों (जैववत्ता बीज/ अंकुर उत्पादन, खेती, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन विकसित करने के समाधान के लिए किसानों और उनके संगठनों के साथ सहयोग करें। छोटे किसानों और उनके संगठनों की पूर्ण भागीदारी के साथ भागी और लिंग संवेदनशील तरीके से खेत और विपणन प्रयोग, भूलीहुई खाद्य प्रणाली और नीति अनुसंधान का चालन करें।

6. Create better access to markets through short supply chains, alternative retail structures and new product development (supported by novel digital solutions), thus stimulating higher demand for forgotten foods in a shift to a green and circular economy benefitting in particular local people (especially women and youth) and other involved stakeholders. Regulate markets, trade and prices in a way that local crops will still be affordable, available, and adequate for local communities, domestic, regional and international markets.

६. लघु आपूर्ति श्रृंखलाओं, वैकल्पिक खुदरा संरचनाओं और नए उत्पाद विकास (डिजिटल समाधानों द्वारा समर्थित) के माध्यम से इन फसलों का बाजारों तक बेहतर पहुंच बनाये, जिसे भूलीहुई खाद्य पदार्थों की मांग सेहरी और वृत्ताकार अर्थ व्यवस्था में बदलाव आए और ये विशेष रूप से स्थानीय निवासियों (विशेषकर महिलाएं और युवा) और अन्य शामिल हितधारकों को लाभदायक बना सके। बाजारों, व्यापार और कीमतों को इस तरह से विनियमित करें कि स्थानीय फसलें स्थानीय समुदायों, घरेलू, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में सस्ती,

7. Support the conservation and improvement of indigenous, local crop species and varieties locally, nationally and globally, by storing the seed and seedlings of forgotten food in gene banks (ex situ conservation) and community seed banks, and by making them available to farmers and researchers for evaluation and crop improvement. Develop resilient seed systems for forgotten crops that make forgotten crop seed(s) available at the right time, in the right place and at affordable prices.

७. भूलेहुए खाद्य के देशज, स्थानीय फसल प्रजातियों और किस्मों का संरक्षण और सुधार स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर होना चाहिए, और उनके बीज और अंकुर का भंडारण जीन बैंक (गैर-स्थानिक संरक्षण) और सामुदायिक बीज बैंकों में करना चाहिए, ताकि वे किसानों और शोधकर्ताओं के लिए मूल्यांकन और फसल सुधार के लिए उपलब्ध हों।

भूलीहुई फसलों के लिए समुथानशील बीज प्रणाली विकसित करानी चाहिए जो भूलीहुई फसल के बीज (अंकुर) को सही समय पर, सही जगह पर और वहन योग्य मूल्य पर उपलब्ध करा सके।

8. Use advocacy and evidence-based policy change to create incentives for forgotten foods that support smallholder farmers to innovate and develop sustainable businesses. This includes policies that promote healthy diets that include forgotten foods; policies that support crop diversification and related value chain development; policies that support ex situ and in situ conservation; policies that stimulate the private sector to invest in forgotten foods; and policies that guarantee the inclusion of forgotten foods in public (school, hospital, kindergarten) feeding programs. Policy change should also protect farmers' and indigenous communities' rights on forgotten foods and related traditional knowledge and be complemented by relevant legislation to allow farmers to use, save, exchange and sell seed of their forgotten food crops; sustainably cultivate and harvest them; and benefit fairly and equitably from their commercialization.

भूलेहुए खाद्य को प्रोत्साहित करने के लिए, पक्ष पोषण और साक्ष्य आधारित नीति परिवर्तन का उपयोग करें, जिससे छोटे किसान इन फसलों में नवीनता और स्थायी व्यवसायों की विकाश कर सकें। इसमें ऐसी नीतियां शामिल हों जो स्वस्थ आहार में भूलेहुए खाद्य पदार्थ को शामिल करने का बढ़ावा करती हों नीतियों जो फसल विविधीकरण और संबंधित मूल्य श्रृंखला विकास का समर्थन करें ; नीतियां जो गैर स्थानिक और स्वस्थानी संरक्षण का समर्थन करें ; नीतियां जो निजी क्षेत्र को भूल गए खाद्य पदार्थ में निवेश करने के लिए प्रेरित करें ; और नीतियां जो भूले बिसरे

खाद्यपदार्थोंको सार्वजनिक रूप से आहार कार्यक्रम (स्कूल, अस्पताल, किंडरगार्टन)में शामिल करने की गारंटी देती हों। नीति परिवर्तन को भूलेहुए खाद्यफसलों और संबंधित पारंपरिक ज्ञानरूपकिसानों और स्वदेशी समुदायों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और किसानों को उनकी भूलीहुई खाद्य फसलों के बीज का उपयोग करने, बचाने, विनिमय करने और बेचने की अनुमति देनेकेलिए प्रासंगिक कानून द्वाारा रक्षित होनी चाहिए ; उनकी सम्पत्तीय खेती और फसल प्राप्ति, और उनके व्यावसायिक रणसे उचित और समान रूपसे लाभान्वित होनेका स्वतंत्रता मिलना चाहिये।

9. Develop new education programs at all levels(from primary school programs to university curricula) to equip everybody with knowledgeand skills to promote, cultivate, protect and conserve, value and support forgotten foods.

सभी स्तरोंपर (प्राथमिक विद्यालय के कार्यक्रमों से लेकर विश्वविद्यालय पाठ्यचर्यातक) नए शिक्षा कार्यक्रम विकसित करना चाहिए जो सभी को भूलेहुए खाद्यपदार्थों का ज्ञान और कौशलोल्लेख करें, जिस से उन फसलों का कृषि बढे और उनकी रक्षण, संरक्षण, मूल्य और प्रोत्साहन मिले।

10. Mobilize more and better targeted, sustainable investment in research and innovation capacities, technologies and infrastructure for forgotten foods in alignment with regional and national priorities. In particular, countries richly endowed with forgotten food crops

क्षेत्रीय और राष्ट्रीय प्राथमिकताएं के संरेखण के तहत, भूलेहुए खाद्य में अधिक और बेहतर लक्षित दीर्घकालिक और संपोषणीय निवेश उनके अनुसंधान, नवाचार क्षमता, प्रौद्योगिकी और रचना के लिए किया जाना चाहिए। विशेष रूप से, भूलीहुई खाद्य फसलों से संपन्न देशों को लक्षित अनुसंधान और नवाचार के निवेश में उच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

THE WAY FORWARD

भविष्य का रास्ता

The Global Manifesto, as a result of a long process started in November 2020, has not finished its journey. The Global Manifesto will be used as a basis to mobilize resources and bring about the changes envisioned. Concretely, the forthcoming steps are:

ग्लोबल मेनिफेस्टो नवंबर 2020 में शुरू हुई एक लंबी प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप बनी है और अभी इसकी यात्रा समाप्त नहीं हुई है। वैश्विक घोषणापत्र का उपयोग एक आधार के रूप में साधनों को जुटाने और परिकल्पित परिवर्तनों को लाने के लिए किया जायेगा। भविष्य के कदमों में शामिल हैं:

- Formalize a Forgotten Foods Community of Practice convened by the Alliance of Bioversity and CIAT in collaboration with GFAR and CFF, with the involvement of a good representation of the regional networks (AARINENA, APAARI, FARA) and their partners. This is planned for July 2021.
- GFAR और पण्डित के सहयोग और क्षेत्रीय नेटवर्क (AARINENA, APAARI, FARA) और उनके सहयोगियों के अच्छे प्रतिनिधित्व की भागीदारी के साथ एलायंस ऑफ बायोसिटी और पण्डित औपचारिक रूप में 'प्रेक्टिस ऑफ फॉर्गॉटन फूड्स कम्युनिटी' स्थापित करेंगे। इसे जुलाई 2021 में शुरू किया जायेगा।
- Hold the first meeting of the Community of Practice in September 2021 to develop a Global Plan of Action (under which regional or national plans of action can be developed), and a strategy to obtain financial support.
- अभ्यास समुदाय की पहली बैठक सितंबर 2021 में आयोजित किया जायेगा ताकि वैश्विक कार्य योजना (जिसके तहत क्षेत्रीय या राष्ट्रीय कार्य योजनाएँ विकसित हो सकती हैं) का प्रोजेक्ट किया जा सके और इस दौरान वित्तीय सहायता प्राप्त करने की कार्यनीति पर भी चर्चा किया जा सके।
- Organize a meeting with selected donors to present the Global Manifesto, the Community of Practice, and the Plan(s) of Action(s) that are emerging. This could take place in October or November 2021, in conjunction with other events, such as the 2nd International Congress of Agrobiodiversity.

- अभ्यास समुदाय की पहली बैठक सितंबर 2021 में आयोजित किया जायेगा ताकि वैश्विक कार्य योजना (जिसके तहत क्षेत्रीय या राष्ट्रीय कार्य योजनाएँ विकसित हो सकती हैं) का प्रोजन किया जा सके और इस दौरान वित्तीय सहायता प्राप्त करने की कार्यनीति पर भी चर्चा किया जा सके।
- Complementing these steps, the coordinating organizations will develop a plan of communication. A first activity to share the Global Manifesto to a broader research and development community is the participation of members of the initiative in a side event of the FAO Science Days leading to the UNFSS dialogues.
- इन कदमों के साथ, समन्वयक संगठन संचार के लिए एक योजना विकसित करेंगे। घोषणापत्र के भागीदारी सदस्यों की पहली गतिविधि, इसे FAO विज्ञान दिवस जैसे सम्मलेन के किसी सहायक कार्यक्रम (जो UNFSS संवादों की ओर ले जाती है) में वैश्विक अनुसंधान और विकास समुदाय में प्रसारित करना रहेगा।

ACKNOWLEDGEMENTS

अभिस्वीकृति

We acknowledge the invaluable contributions of the members of the three Regional Networks, AARINENA, APAARI and FARA, and their partners, which generated the core elements of this Global Manifesto through the work on their own regional Manifestos. We acknowledge the financial support

Anex-1 : The road map of global manifesto development :
Zero draft Manifesto (November 2020)

वैश्विक घोषणापत्र विकास का रोड मैपजीरो ड्राफ्ट मेनिफेस्टो (नवंबर 2020)



Formation of a coalition: AARINENA, APAARI and other
partners, Crops for the Future, GFAR, FARA, the Alliance of
Bioversity International and CIAT

गठबंधन का गठन ARINENA, APAARI और अन्य भागीदार, क्रॉस फॉर दी फ्यूचर, GFAR,
FARA, दी एलायंस ऑफ बायोवर्सिटी इंटरनेशनल और CIAT



Roadmap for next steps (longer term) (January 2021)
अगले चरणों के लिए रोड मैप (दीर्घ कालिक) (जनवरी 2021)



Regional research/surveys, consultations, discussions (February-April 2021)
क्षेत्रीय अनुसंधान/ सर्वेक्षण, परामर्श, चर्चा (फरवरी-अप्रैल 2021)

Draft Regional Manifestos (March-April 2021)
मसौदा क्षेत्रीय घोषणापत्र (मार्च-अप्रैल 2021)



Regional webinars to discuss/revise the draft Regional Manifestos (March-May 2021)
क्षेत्रीय घोषणापत्र के मसौदे पर चर्चा/ संशोधन के लिए क्षेत्रीय वेबिनार (मार्च-मई 2021)



Final regional Manifestos, including Farmers' Manifesto (South Asia) (June 2021)
अंतिम क्षेत्रीय किसान घोषणापत्र (दक्षिण एशिया)(जून 2021)



Draft of Global Manifesto (June 2021)
वैश्विक घोषणापत्र का मसौदा (जून 2021)



Webinar to discuss/revise the Global Manifesto (June 2021)
वैश्विक घोषणापत्र पर चर्चा/संशोधन के लिए वेबिनार (जून 2021)



Final Global Manifesto (June 2021)
अंतिम वैश्विक घोषणापत्र (जून 2021)

ANNEX 2. REGIONAL CONSULTATION ACTIVITIES

अनुबंध 2. क्षेत्रीय परामर्श गतिविधियां

AARINENA

- Following the revision of GFAR zero draft manifesto on forgotten foods, a base line regional draft manifesto on forgotten foods was agreed upon to form the basis for the regional Webinar discussions and deliberations and subsequently, for the drafting of the regional manifesto/declaration on forgotten foods.
- GFAR के जीरो ड्राफ्ट घोषणापत्र के संशोधन के बाद, एक आधार रेखा क्षेत्रीय मैसूदा घोषणापत्र की सहमति हुई जो कि क्षेत्रीय वेबिनार चर्चाओं और विचारविमर्श की आधार बनी और जिसे अंत में भूलेहुए खाद्यपदार्थों पर क्षेत्रीय घोषणापत्र/घोषणा का मसौदा तैयार करने के लिए प्रयुक्त किया गया।

Directly involved participants: प्रत्यक्ष रूप से शामिल प्रति भागी :

- December 2020-January 2021: in the development of the base line regional draft manifesto on forgotten foods, AARINENA's Executive Committee members (12), including regional and international partners in the NENA region (3).
- दिसंबर 2020—जनवरी 2021 : भूलेहुए खाद्यपदार्थों पर बेसलाइन क्षेत्रीय मसौदा घोषणापत्र के विकास में – AARINEN की कार्यकारी समिति के सदस्य (12), NENA क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय भागीदार (3)।

➤ February-March 2021: in the development of the concept note on forgotten foods that articulated the road map for the development of the regional manifesto on forgotten foods up to the plan of action.

➤ फरवरी-मार्च 2021 : भूलेहुए खाद्यपदार्थों पर क्षेत्रीय घोषणापत्र के विकास के लिए स्पष्ट संचलन मानचित्र से कार्य योजना तक का अवधारणा नोट।

22 March 2021: in the regional online meeting, 33 participants.

22 मार्च 2021 : क्षेत्रीय ऑनलाइन बैठक में 33 प्रतिभागी।

➤ 30 March 2021: in the consultation on the draft regional manifesto on forgotten foods, 24 participants from the Regional Plant Genetic Resources Network and six participants from the newly formed Regional Forgotten Foods Network. Total participants: 63.

➤ 30 मार्च 2021 : भूलेहुए खाद्यपदार्थों पर क्षेत्रीय घोषणापत्र के मसौदे पर परामर्श में क्षेत्रीय संयंत्र आनुवंशिक संसाधन नेटवर्क से 24 प्रतिभागी और नवगठित क्षेत्रीय फॉर्गॉटन फूड्स नेटवर्क से छह प्रतिभागी।

कुल प्रतिभागी : 63

Indirectly involved participants: अप्रत्यक्ष रूप से शामिल प्रतिभागी :

- Representatives of 27 national farmers' organizations. Representatives of AARINENA's five sub-regions representing 27 national research institutions. Representatives of more than 100 private and public universities.
- 27 राष्ट्रीय किसान संगठनों के प्रतिनिधि AARINENA के पांच उप-क्षेत्रों के प्रतिनिधि जो 27 राष्ट्रीय शोध संस्थानों के प्रतिनिधित्व थे 100 से अधिक निजी और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि ।

APAARI and partners : APAARI और साझेदार

- Developed and finalized a concept note on Forgotten Food in association with the Alliance of Bioversity International and CIAT and inputs from partners/co-organizers (AFA, ICRISAT, MSSRF etc.). Regular electronic discussions (12 times) held with relevant partners on modalities of conducting a survey and then organize a regional consultation.
- एलायंस ऑफ बायोवर्सिटी इंटरनेशनल और CIAT और भागीदारों / सह-आयोजकों (AFA, ICRISAT, MSSRF) के सहयोग से भूलेहुए खाद्य पर एक अवधारणा नोट तैयार किया गया । सर्वेक्षण आयोजित करने के तौर-तरीकों और क्षेत्रीय परामर्श आयोजित करने केलिये प्रासंगिक भागीदारों के साथ नियमित इलेक्ट्रॉनिक चर्चा (12 बार) किया गया ।

- Prepared a survey questionnaire about farmers' perceptions on forgotten foods with partner organizations, which was disseminated for use in their constituencies.
- साझेदार संगठनों के साथ भूले हुए खाद्यपदार्थों पर किसानों की धारणाओं के बारे में एक सर्वेक्षण प्रश्नावली तैयार करके उनके निर्वाचन क्षेत्रों में उपयोग के लिए प्रसारित किया गया।
- Prepared a list of networks and conducted a survey with the networks of all the partners and/or organized meetings with the networks to get their feedback as per survey questionnaire.
- नेटवर्क सूची और सभी भागीदारों और /यासंगठित के नेटवर्क के साथ सर्वेक्षण प्रश्नावली के अनुसार उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए नेटवर्क में बैठकें किया गया।
- Contacted all APAARI members and partners for the survey and for participation in the webinar. Analyzed the survey results from all partners.
- सर्वेक्षण के लिए और वेबिनार में भाग लेने के लिए सभी APAARI सदस्यों और भागीदारों से संपर्क किया गया। सभी भागीदारों के सर्वेक्षण परिणामों का विश्लेषण किया गया।
- Identified experts and developed a tentative program and brochure for webinar. Conducted the webinar online for which more than 500 registered and 247 actively engaged. Drafted Proceedings and Recommendations as outcomes of the webinar and survey.

➤ विशेषज्ञोंकी पहचान की और वेबिनार के लिए एक अस्थायी कार्यक्रम और ब्रोशर विकसित किया गया। ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें 500 से अधिक लोगोंने पंजीकृत किया और 247 ने सक्रिय रूपसे भाग लिया।

➤ Prepared a regional draft manifesto with inputs from all the partners and with the support of the international partners. Prepared an Asia-Pacific Farmers' Declaration on Traditional and Indigenous Food Crops.

➤ वेबिनार और सर्वेक्षण के परिणामों से कार्यवाही और सिफारिशें तैयार की गई।

सभी भागीदारों के इनपुट के साथ और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के समर्थन से एक क्षेत्रीय मसौदा घोषणापत्र तैयार किया। एशिया-पैसिफिक किसानों की पारंपरिक और स्वदेशी खाद्यफसलों पर घोषणापत्र तैयार की।

FARA: फारा

➤ A five-pronged methodology was used to develop the African manifesto and plan of action:

अफ्रीकी घोषणापत्र और कार्य योजना को विकसित करने के लिए पांचपद्धति का उपयोग किया गया था :

➤ Working paper on the status of forgotten crops in Africa (desk review): developed as the first step to inform the African stakeholders. A consultant was engaged to run this assignment with strong support from the FARA cluster lead scientist.

➤ अफ्रीका में भूलीहुई फसलों की स्थिति पर वर्किंग पेपर (डेस्क रिव्यू) : अफ्रीकी हितधारकों सूचित करने के लिए पहला कदम। इस असाइनमेंट को चलाने के लिए मजबूत समर्थन एक सलाहकार नियुक्त किया गया जिन्होंने क्लस्टर लीड वैज्ञानिक का बड़ा सहारा था।

➤ Virtual stakeholders' consultation: the working paper (the tentative manifesto document) was shared with African stakeholders using the FARA Dgroup platform that has approximately 35,000 active stakeholders across Africa. The Dgroup discussion lasted for 10 days. The stakeholders' comments were synthesized for inclusion in the final manifesto.

अप्रत्यक्ष (वर्चुअल) साझेदारों का विमर्श : वर्किंग पेपर (अस्थायी घोषणापत्र दस्तावेज) को FARA D group प्लेटफॉर्म का उपयोग करके साझा किया गया जिसमें पूरे अफ्रीका से लगभग 35,000 सक्रिय अफ्रीकी हितधारक शामिल हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस दिनों तक चर्चा चली, जिसके पश्चात्, हितधारकों की टिप्पणियों को संश्लेषित करके फाइनल घोषणापत्र में शामिल किया गया।

- Webinar to discuss the “Development of the African Manifesto and Plan of Action on Forgotten Foods,” with almost 1,000 participants. Panelists included researchers, farmers, private sector actors, youth, women etc. Chat-box comments were collected. A poll was organized to solicit stakeholders’ opinions on the pillars of the manifesto and other proposed key action(s) that should follow. The poll was used as stakeholders’ validation instrument.
- अफ्रीकी घोषणापत्र का विकास और भूलेहुए खाद्यपदार्थों पर कार्य योजना पर चर्चा करने के लिए किया वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 1,000 सहभागी थे। पैनलिस्टों में शोधकर्ता, किसान, निजी क्षेत्रके प्रतिनिधि, युवा, महिला आदि शामिल थे। चैट-बॉक्स टिप्पणियाँ एकत्र की गईं। घोषणापत्र के स्तंभों और अन्य प्रस्तावित प्रमुख कार्रवाइयों का पालन इत्यादि पर हितधारकों की राय जानने के लिए एक सर्वेक्षण आयोजित किया गया था जिसे हितधारकों के सहमति प्रमाणीकरण के रूप में इस्तेमाल किया गया।
- **Manifesto harmonization:** All comments were integrated in the draft manifesto to produce the final version. A small group of experts from the FARA secretariat worked with the consultant to develop the document. A peer review was conducted to finalize the document.

- **घोषणापत्र सामंजस्य :** फाइनल घोषणापत्र तैयार करने के लिए सभी टिप्पणियों को घोषणापत्र के मसौदे में एकीकृत किया गया। FARA सचिवालय के विशेषज्ञों के एक छोटे समूह ने दस्तावेज़ को विकसित करने के लिए सलाहकार के साथ काम किया। दस्तावेज़ को अंतिम रूप देने के लिए एक सह कर्मी समीक्षा का आयोजन किया गया।
- **Community of practice:** FARA will establish a community of practice to jointly develop the action plan based on the manifesto and craft an implementation strategy. The community of practice will have two layers: a core team of experts and a larger group of enthusiasts
- **अभ्यास समुदाय :** संयुक्त रूप से कार्य योजना विकसित करने के लिए FARA एक अभ्यास समुदाय स्थापित करेगी जो घोषणापत्र के आधार पर एक कार्यान्वयन और रणनीति तैयार करेगी। अभ्यास समुदाय में दो परतें होंगे : मुख्य टीम विशेषज्ञों और रूचि रखनेवाले लोगों का एक बड़ा समूह।

ANNEX 3. ORGANIZATIONS ENGAGED IN THE DEVELOPMENT OF THE GLOBAL MANIFESTO

➤ Barli Development Institute for Rural Women (BDIRW), India

International Crop Research Institute of Semi-Arid Tropics (ICRISAT), Hyderabad, India

The constituencies involved in the survey coordinated by ICRISAT (in alphabetical order):

1. Erstwhile Adilabad district (tribal), Telangana state; India

2. Kurnool district (rural); Andhra Pradesh state, India

Members and partners of the Asian Farmers' Association (AFA) (in alphabetical order) ActionAid, Bangladesh

Aliansi Petani Indonesia (API), Indonesia

Asosiasaun Nasional Produtor Fini Komersia (ANAPROFIKO), Timor-Leste
Central Tea Cooperative Federation (CTCF) Ltd., Nepal

Crofter Foundation, Pakistan

Ecological Agricultural Producers' and Entrepreneurs Cooperative Society (EcoAPECoop), Sri Lanka
Kendrio Krishok Moitree (KKM), Bangladesh

Lankan Farmers Forum, Sri Lanka
Lao Farmer Network (LFN), Lao PDR

National Association of Dehkan Farms (NADF), Tajikistan

National Association of Mongolian Agricultural Cooperatives (NAMAC), Mongolia

National Land Rights Forum (NLRF), Nepal

National Union of Waters Users' Association of Kyrgyz Republic (NUWUA), Kyrgyzstan Pacific Island Farmers Organisation Network, Fiji and Samoa

Pambansang Kilusan ng mga Samahang Magsasaka (PAKISAMA) Inc., Philippines Self-employed Women's Association (SEWA), India

Taiwan Wax Apple Development Association (TWADA), Taiwan Tarayana Foundation, Bhutan

Vietnam Farmers' Union (VNFU), Vietnam

Members of the Asia-Pacific Association of Agricultural Research Institutions (AAPARI)

(in alphabetical order)

Agricultural Biotechnology Research Center (ABRC), Academia Sinica, Taiwan Agricultural Research and Development Institute (MARDI), Malaysia Agricultural Research, Education and Extension Organization (AREEO), Iran Agriculture Research Institute of Afghanistan (ARIA), Afghanistan

Alliance for Agri Innovation (AAI) and Federation of Seed Industry of India (FSII), India Alliance of Bioversity International and CIAT, Italy

Assam Agricultural University (AAU), India

Australian Centre for International Agricultural Research (ACIAR), Australia Bangladesh Agricultural Research Council (BARC), Bangladesh Biotechnology Industry Research Assistance Council (BIRAC), India

Bureau of Agricultural Research (BAR), Philippines Central Agricultural University (CAU), India

Centre for Agriculture and Biosciences International (CABI), United Kingdom Council of Agriculture (COA), Taiwan

Department of Agriculture (DOA), Bhutan Department of Agriculture (DOA), Thailand

Indian Agricultural Universities Association (IAUA), India Indian Council of Agricultural Research (ICAR), India Institut Agronomique Néo-Calédonien (IAC), New Caledonia

World Agroforestry Centre (ICRAF), Kenya World Vegetable Center, Taiwan

Members of the Association of Agricultural Research Institutions in the Near East and North Africa (AARINENA) (in alphabetical order)

Abu Dhabi Agriculture and Food Safety Authority (ADAFSA), United Arab Emirates Agricultural Research and Extension Authority (AREA), Yemen

Agricultural Research Corporation (ARC), Sudan

Agricultural Research Department, Ministry of Environment, Qatar

Animal and Plant Genetic Resources Center, the Research Council, Sultanate of Oman
Agricultural Research Centre (ARC), Libya

Arab Center for Studies of Arid Zones and Dry Lands (ACSAD), Syrian Arabic
Republic Garcia Farms Hydroponics, United Arab Emirates

Iktifaa youth organization (NGO), Sudan

Institut National de la Recherche Agronomique (INRA), Morocco Institut National
de la Recherche Agronomique d'Algérie (INRA), Algeria

Institut National de la Recherche Agronomique de Tunisie (INRAT), Tunisia
Institution de la Recherche et de l'Enseignement Supérieur Agricoles (IRESA), Tunisia
International Centre for Agricultural Research in the Dry Areas (ICARDA), Lebanon
International Center of Biosaline Agriculture (ICBA), United Arab Emirates

Jordan University of Science and Technology (JUST), Jordan

King Abdulaziz City for Science and Technology (KSA-KACST), Kingdom of Saudi
Arabia Kuwait Institute of Scientific Research (KISR), Kuwait

Lebanese Agricultural Research Institute, Lebanon Ministry of Agriculture (MoA),
Iraq

Ministry of Agriculture and Fisheries (MoAF), Sultanate of Oman

Ministry of Agriculture-National Agricultural Research Center (MOA-NARC),
Palestine Ministry of Climate Change and Environment, United Arab Emirates

Ministry of Food, Agriculture and Livestock, Turkey National Research Council, Egypt

National Agricultural Research Center (NARC), Jordan

National Center of Agricultural Technology, Life Science and Environmental
Research Institute, Kingdom of Saudi Arabia

Nizwa University, Sultanate of Oman Silal Company, United Arab Emirates

Zamzam University of Science and Technology, Somalia

Members of the Forum for Agricultural Research in Africa (FARA) (in alphabetical
order)

Africa Union Commission, Addis Ethiopia

Africa Union Development Agency (AUDA-NEPAD), South Africa

African Forum for Agricultural Advisory Services (AFAAS), Kampala, Uganda

Agricultural Research and Extension Unit (AREU), Mauritius

Agricultural Research Corporation (ARC), Sudan Agricultural Research Council of
Nigeria (ARCN), Nigeria Agricultural Research Division (ARD), Swaziland Agriculture
Research Council, South Africa

Alliance for Green Revolution in Africa (AGRA), Kenya

Association for strengthening agricultural research in Eastern and Central Africa (ASARECA), Uganda Central Agriculture Research Institute (CARI), Liberia

Centre for Coordination of Agricultural Research and Development for Southern Africa (CCARDESA), Botswana.

Centre National de Recherche Agronomique (CNRA), Côte d'Ivoire

Centre National de Recherche Agronomique et de Développement (CNRADA), Mauritania Centre National De Recherche Appliquée au Développement Rural, Madagascar

Centre National de Technologie Alimentaire (CNTA), Burundi

Centre pour l'expérimentation et la vulgarisation pour la gestion des Tanety par les paysans (FAFIALA),

Madagascar

Centro de Investigação Agronómica e Tecnológica (CIAT), Sao Tome and Principe Council for Scientific and Industrial Research (C.S.I.R), Ghana

Department of Agricultural Research Services (DARS), Malawi Department of Agricultural Research, Lesotho

Department of Agricultural Research, Botswana Eastern Africa Farmers Federation (EAFF), Uganda Ethiopian Institute of Agricultural Research, Ethiopia

General National Agricultural Research Institute (NARI), The Gambia Institut d'Economie Rurale (IER), Mali

Institut de l'Environnement et de Recherches Agricoles (INERA), Burkina Faso Institut de Recherche Agronomique de Guinée (IRAG), Guinée

Institut de Recherche Agricole pour le Développement (IRAD), Cameroun Institut de Recherches Agronomiques du Niger (INRAN), Niger

Institut de Recherches Agronomiques et Forestières (IRAF), Gabon Institut des Sciences Agronomiques du Burundi (ISABU), Burundi Institut National de Recherche Agricole du Bénin (INRAB), Benin Institut National De Recherche Agronomique (IRA), Brazzaville, Congo

Institut National pour l'etude et la Recherche Agronomiques (INERA), Congo

Institut Sénégalais de Recherches Agricoles (ISRA) Route des Hydrocarbures, Sénégal Institut Tchadien de Recherche Agricole pour le Développement (ITRAD), Chad

Institut Togolais de Recherche Agronomique (ITRA), Togo Instituto de Investigação Agrária de Moçambique, Mozambique Instituto de Investigacao Agronomica (IIA), Angola

Instituto Nacional de Pesquisa de Agraria (INPA), Guinée Bissau Investigação e Desenvolvimento Agrário (INIDA), Cape Verde

Kenya Agricultural and Livestock Research Organization (KALRO), Kenya

l'Institut Centrafricain de la Recherche Agronomique (ICRA), République Centre Africaine
Ministry of Agriculture and Forestry, South Sudan

Naliendele Agricultural Research Institute (NARI), Tanzania National Agricultural Research
Institute (NARI), Eritrea National Agriculture Research Organisation (NARO), Uganda
National Botanic Research Institute, Namibia

Pan Africa Farmers Organizations (PAFO), Rwanda

Pan African Agribusiness and Agro Industry Consortium (PANAC), Kenya

Regional Universities Forum for Capacity Building in Agriculture (RUFORUM), Uganda
Research Services Division (Rsd), Harare, Zimbabwe

Réseau des organizations paysannes et de producteurs de l'Afrique de l'Ouest (ROPA),
Burkina Faso Rwanda Agriculture Board (RAB), Rwanda

Seychelles Agricultural Agency, Seychelles

Sierra Leone Agricultural Research Institute (SLARI), Sierra Leone

Southern African Confederation of Agricultural Unions (SACAU), South Africa
The Zambia Agriculture Research Institute (ZARI), Zambia

West and Central African Council for Agricultural Research and Development (CORAF),
Senegal

M.S. Swaminathan Research Foundation (MSSRF), Chennai, India

Constituencies involved in the survey coordinated by the M.S. Swaminathan Research
Foundation (in alphabetical order)

1. Bharati Integrated Rural Development Society (BIRDS), Kurnool, Andhra Pradesh
2. Centre for Indigenous Knowledge Systems, Chennai, Tamil Nadu
3. Himalayan Environmental Studies and Conservation Organisation (HESCO),
Dehradun, Uttarakhand.
4. Martin Luther Christian University, Shillong, Meghalaya

5. North East Slowfood and Agro biodiversity Society (NESFAS), Shillong, Meghalaya
6. Sanlak Agro Industries Private Limited, Coimbatore, Tamil Nadu
7. Shahaja Samrudha, Bengaluru, Karnataka
8. Sevamandir, Udaipur, Rajasthan
9. Tamil Nadu Agricultural University (TNAU), Coimbatore, Tamil Nadu
10. Watershed Support Services and Activities Network, Hyderabad, Telangana

Note: In the three regional webinars during which the draft regional manifestos were presented and discussed, over one thousand persons participated. Pursuant to the General Data Protection Regulation (GDPR), agreed upon by the European Parliament and Council in April 2016, their names are not listed here.

Photos credit: ©FAO / FAO

